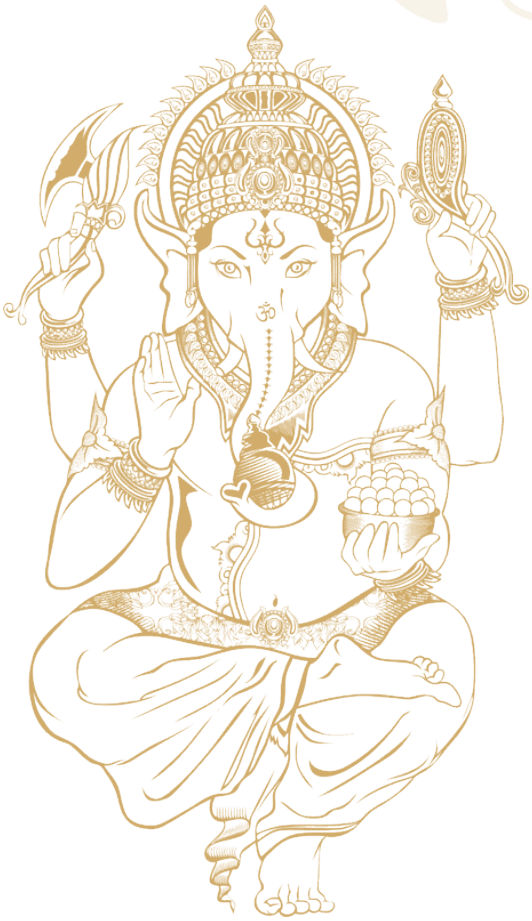

Y sethi

AA dhawan

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119824601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119824601 Date: 18/10/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/07/1998	जन्म तिथि	25/03/1993
मंगलवार	दिन	गुरुवार
घंटे 09:40:00	जन्म समय	07:06:00 घंटे
घटी 10:27:01	जन्म समय(घटी)	01:55:30 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:29:11	सूर्योदय	06:19:48
19:22:32	सूर्यास्त	18:34:59
23:50:03	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:01
सिंह	लग्न	मीन
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
वृश्चिक	राशि	मेष
मंगल	राशि-स्वामी	मंगल
ज्येष्ठा	नक्षत्र	अश्विनी
बुध	नक्षत्र स्वामी	केतु
2	चरण	1
शुक्ल	योग	ऐन्द्र
तैतिल	करण	कौलव
या-यतीन्द्र	जन्म नामाक्षर	चू-चुन्नी
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
विप्र	वर्ण	क्षत्रिय
कीटक	वश्य	चतुष्पाद
मृग	योनि	अश्व
राक्षस	गण	देव
आद्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	सिंह

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 11वर्ष 4मा 2दि		13:54:43	सिंह	लग्न	मीन	25:39:35	केतु 6वर्ष 11मा 27दि	
शुक्र		21:01:59	मिथु	सूर्य	मीन	10:39:15	सूर्य	
08/11/2016		21:06:20	वृश्चि	चंद्र	मेष	00:00:52	22/03/2020	
08/11/2036		06:42:21	मिथु	मंगल	मिथु	22:08:13	22/03/2026	
शुक्र	09/03/2020	15:28:23	कर्क	बुध	कुंभ	16:49:09	सूर्य	09/07/2020
सूर्य	10/03/2021	04:01:57	मीन	गुरु व	कन्या	16:43:48	चन्द्र	08/01/2021
चन्द्र	08/11/2022	21:13:23	वृष	शुक्र व	मीन	22:30:04	मंगल	16/05/2021
मंगल	08/01/2024	08:28:11	मेष	शनि	कुंभ	02:08:29	राहु	10/04/2022
राहु	08/01/2027	08:41:06	सिंह व	राहु व	वृश्चि	20:52:57	गुरु	27/01/2023
गुरु	08/09/2029	08:41:06	कुंभ व	केतु व	वृष	20:52:57	शनि	09/01/2024
शनि	08/11/2032	17:57:41	मक व	हर्ष	धनु	27:59:09	बुध	14/11/2024
बुध	09/09/2035	07:22:54	मक व	नेप	धनु	27:09:23	केतु	22/03/2025
केतु	08/11/2036	11:52:31	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	01:33:28	शुक्र	22/03/2026

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:03 चित्रपक्षीय अयनांश 23:46:01

लग्न-चलित

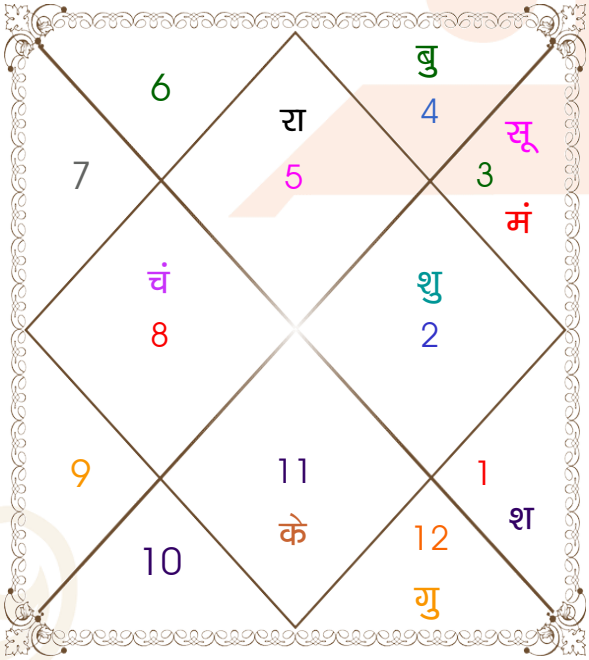

लग्न-चलित

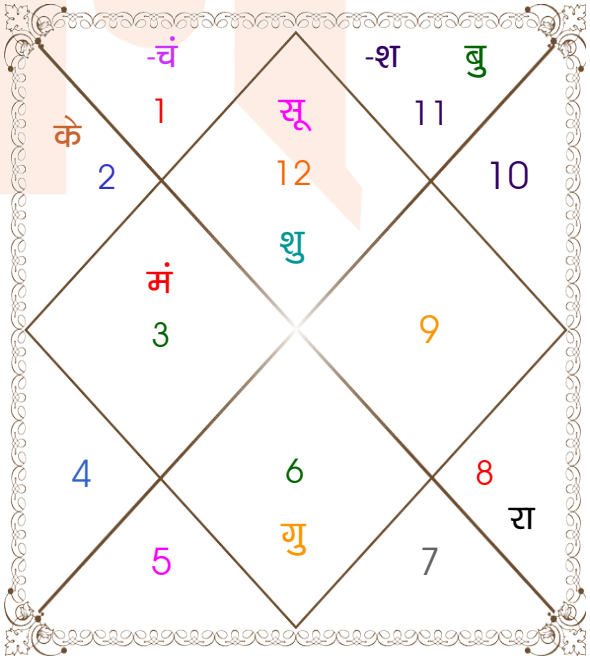

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	अश्व	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

कुल : **14 / 36**

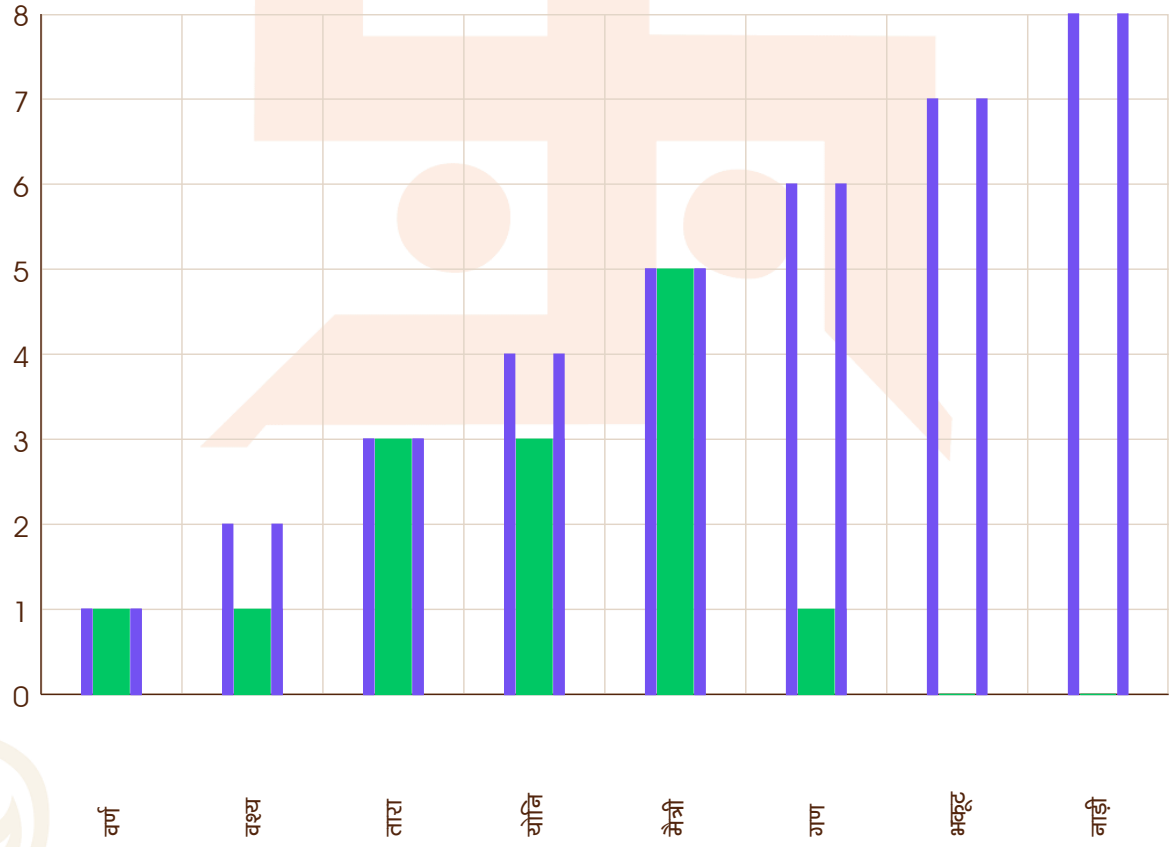

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Y sethi का वर्ग मृग है तथा ।। कौंद का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Y sethi और ।। कौंद का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Y sethi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

।। कौंद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Y sethi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Y sethi तथा ।। कौंद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Y sethi का वर्ण ब्राह्मण तथा ।। कौंद का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से ।। कौंद में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर ।। कौंद आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। ।। कौंद सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

वश्य

Y sethi का वश्य कीट है एवं ।। कौंद का वश्य चतुष्पद है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। चतुष्पद एवं कीट दो भिन्न प्राणी हैं। किंतु दोनों का प्रकृति में सह-अस्तित्व है। दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग होते हुए भी दोनों एक-दूसरे के लिए घातक नहीं होंगे। इसी प्रकार, Y sethi चतुष्पद अर्थात् पशु एवं ।। कौंद कीट वश्य की होने के कारण दोनों के स्वभाव, व्यवहार, गुण, पसंद/नापसंद में अंतर होते हुए भी दोनों के बीच वैवाहिक संबंध सामान्य ही रहने की प्रबल संभावना है। दोनों का स्वभाव गंभीर एवं संकोची रहेगा तथा दोनों सौहार्दता एवं प्रेम से अपना जीवन यापन करते रहेंगे।साथ ही अपने-अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Y sethi की तारा अतिमित्र तथा ।। कौंद की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। Y sethi हमेशा ।। कौंद के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

Y sethi की योनि मृग है तथा ।। कौंद की योनि अश्व है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे

के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Y sethi एवं ।। कीूंद दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Y sethi एवं ।। कीूंद दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Y sethi का गण राक्षस तथा ।। कीूंद का गण देव है। अर्थात ।। कीूंद का गण Y sethi के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण Y sethi निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही Y sethi का ।। कीूंद के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। ।। कीूंद हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

Y sethi से ।। कीूंद की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा ।। कीूंद से Y sethi की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण Y sethi लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। ।। कीूंद को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

नाड़ी

Y sethi की नाड़ी आद्य है तथा ।। कीूंद की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Y sethi एवं ।। कीूंद दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक

ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Y sethi की राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा ।। कीँद की राशि अग्नितत्व युक्त मेष राशि है। जल एवं अग्नि में नैसर्गिक विषमताओं के कारण Y sethi और ।। कीँद के मध्य स्वभावगत असमानताएं होंगी जिससे दाम्पत्य संबधों में तनाव रहेगा तथा वैवाहिक जीवन के सुख में न्यूनता आएगी। अतः मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

Y sethi एवं ।। कीँद की राशि का स्वामी मंगल है अतः इसके प्रभाव से Y sethi और ।। कीँद की प्रवृति परस्पर सामंजस्यशील होंगी जिससे संबधों में मधुरता का भाव उत्पन्न होगा तथा एक दूसरे के गुणों की वे प्रशंसा करेंगे एवं कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे परस्पर सहयोग सहानुभूति तथा समर्पण का भाव रहेगा। वे सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। फलतः वैवाहिक जीवन सुख एवं आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

Y sethi और ।। कीँद की राशि परस्पर षष्ठ एवं अष्टम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ फलों में न्यूनता आएगी तथा परस्पर संबधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा फलतः एक दूसरे के प्रति उपेक्षा तथा उदासीनता का भाव रहेगा एवं सुख दुख में किसी भी प्रकार का सहयोग करने के लिए उद्यत नहीं होंगे। अतः अधिकांशतया Y sethi और ।। कीँद कष्ट एवं परेशानी की ही अनुभूति करेंगे।

Y sethi का वश्य कीट तथा ।। कीँद का वश्य चतुष्पद है। अतः Y sethi और ।। कीँद की अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी अनुकूलता रहेगी एवं काम संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

Y sethi का वश्य ब्राह्मण तथा ।। कीँद का वर्ण क्षत्रिय है। इसके प्रभाव से Y sethi की शैक्षणिक शास्त्रीय तथा धार्मिक कार्य कलापों में रूचि रहेगी परन्तु ।। कीँद पराक्रमी एवं साहसिक कार्यो को सम्पन्न करेंगी फलतः कार्य क्षमता अनुकूल रहेगी एवं कार्य क्षेत्र में भी सुदृढ़ता का भाव रहेगा।

धन

Y sethi का जन्म अतिमित्र तथा ।। कीँद का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से ।। कीँद एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा ।। कीँद के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार Y sethi और ।। कीँद आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

Y sethi और ।। कीूंद को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति की संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

Y sethi और ।। कीूंद दोनों की नाड़ी आद्य है। यद्यपि प्रथम दृष्टि में यह नाड़ी दोष बनता है जिसके प्रभाव से ।। कीूंद को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है परन्तु इनके नक्षत्र अलग एवं राशि स्वामी एक ही है अतः इससे नाड़ी दोष भंग हो जाता है जिससे ।। कीूंद अल्प मात्रा में ही स्वास्थ्य संबंधी परेशानी की अनुभूति होगी परन्तु मंगल का Y sethi के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव है जिससे वे गर्मी या रक्त विकार संबधी कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही धातु संबधी रोग या संभोग शक्ति में शिथिलता भी आएगी जिससे पारिवारिक जीवन में अशांति रहेगी। अतः इसके प्रभाव को न्यून करने के लिए हनुमानजी की पूजा, तथा मंगलवार का उपवास करना चाहिए। वैसे ऐसी स्थिति में विवाह करने की उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Y sethi और ।। कीूंद का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Y sethi और ।। कीूंद के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ।। कीूंद के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ।। कीूंद को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ।। कीूंद को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Y sethi और ।। कीूंद सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Y sethi और ।। कीूंद का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

।। कौंद के सास के साथ संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में न्यूनता आएगी।

ससुर से भी ।। कौंद को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। अतः ।। कौंद को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ ।। कौंद के संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबधों से ।। कौंद सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो सकती है इस प्रकार ससुराल में इनका जीवन सामान्यतया सुखी ही रहेगा।

ससुराल-श्री

Y sethi की अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उनके प्रति श्रद्धा सम्मान एवं सहयोग का भाव रहेगा। Y sethi सपत्नीक समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे जिससे आपसी संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी। साथ ही Y sethi का व्यवहार उनके प्रति विनम्रता से युक्त रहेगा।

ससुर के साथ भी Y sethi के संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। साथ ही इन दोनों के मध्य दामाद ससुर की अपेक्षा पिता पुत्र का भाव अधिक रहेगा। Y sethi भी समय समय पर अपने समस्याओं के समाधान के लिए ससुर से सलाह लेते रहेंगे लेकिन साले तथा सालियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान तथा सहयोग की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Y sethi के प्रति अनुकूल रहेगा जिससे उनके आपसी संबंध अनौपचारिक रहेंगे।